हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 36 .6 डिग्री
न्यूनतम 23 .3 डिग्री

9 दिल्ली में सम्पन्न हुआ ऐतिहासिक 'श्री गुरु पूर्णिमा ...

10 आर्य समाज बोहर की संगोष्ठी में गूंजे वैदिक ...

खबर संक्षेप

मदवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम आज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की यूथ रेड क्रॉस समिति के तत्वावधान में 14 जुलाई को- बेसिक फर्स्ट ऐड एंड डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग विषयक एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करेगा। एमडीयू की यूथ रेड क्रॉस समिति की प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. अंजू धीमान ने बताया कि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह बतौर मुख्यातिथि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। जिला प्रशिक्षण अधिकारी रवि दत्त कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन होंगे। यह कार्यक्रम स्वराज सदन में प्रातः 9.30 बजे से प्रारंभ होगा।

16 को सूर्य कवि बाजे भगत की जयंती मनाई जाएगी

रोहतक। सैन समाज चैरिटेबल ट्रस्ट की एक बैठक बुलाई गई जिसमें सभी सदस्यों ने भाग लिया व अपने-अपने विचार रखे। इस बैठक में 16 जुलाई 2025 को कवि बाजे भगत की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह कार्यक्रम हर वर्ष मनाया जाता है। 16 जुलाई 1898 को कवि बाजे भगत का जन्म गांव सिसाना सोनीपत में हुआ था। बैठक की जानकारी देते हुए सैन समाज 84 खाप के प्रधान प्रदीप सैन मंडावर ने बताया की यह कार्यक्रम 16 जुलाई को सुबह 9 बजे से सांय 5 बजे तक चलेगा। प्रातः 8 बजे हवन होगा व सूर्य कवि बाजे भगत की प्रतिमा का अनावरण विधिविधान एवं मंत्रो उच्चरण के साथ किया जाएगा।

25 हजार रुपये की ठगी करने का आरोपी दबोचा

रोहतक। पुलिस की टीम ने 25 हजार रुपये की ठगी की वारदात में शामिल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना सांपला निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि 28 मार्च को गिझी निवासी पूर्ण चंद की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरु की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पूर्ण चंद के पास फोन आया। युवक ने कहा कि वह उसका जानकार बोल रहा है। युवक ने कहा कि उसका बेटा अस्पताल मे दाखिल है और उसके पास रुपये नहीं है। पूर्ण चंद ने युवक की बातो मे आकर कुल 25 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। मामले की जांच एएसआई निकेश द्वारा की गई। जिसके बाद आरोपी मोनू उर्फ बंटी निवासी गांव झाहरखेडा जिला अलवर को गिरफ्तार किया गया है।

महिलाओं ने दुकान से चुराए 20 लेडीज सूट

महम। कस्बा महम में भिवानी रोड पर स्थित एक कपड़े की दुकान से ग्राहक बनकर आई कुछ लेडीज दुकान से 20 सूट चोरी कर ले गई। महिला दुकानदार को चोरी का पता तब चला जब महिलाएं कुछ सूट अलग से रखवाकर उन्हें बिना खरीदे ही चली गई। उनके जाने के बाद जब दुकानदार सूटों को फिर से रखने लगी तो सूट कम पाए गए। इस संबंध में दुकानदार ने स्थानीय शहर पुलिस चौकी में शिकायत दे दी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आस पास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ 15 को करेगा प्रदर्शन

रोहतक। सरकार द्वारा मानी गई मांगों को लागू न किए जाने के विरोध में रिटायर्ड कर्मचारी संघ 15 जुलाई को उपायुक्त कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करेगा। जिला प्रधान जगपाल सांगवान ने बताया कि 22 मई को रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य सचिव हरियाणा सरकार से वार्ता हुई थी जिसमें मांगों को न्यायोचित, तर्कसंगत मानते हुए निश्चित सीमा अवधि में लागू किए जाने का भरोसा दिया गया था। लेकिन आज तक सरकार ने रिटायर्ड, पैंशनर को फूटी कौड़ी भी नहीं दी है। जिसके कारण रिटायर्ड कर्मियों में भारी नाराजगी है और संघर्ष का ऐलान कर दिया है।

सदैव हमारी यादों में बने रहेंगे शहीद लोकेंद्र सिंह सिंधुः मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी ने वायुसेना अधिकारी के घर पहुंचकर परिवार को दी सांत्वना, हर संभव मदद का आश्वासन

- शहीद स्क्वॉड्रन लीडर लोकेंद्र सिंधु के घर शोक प्रकट करने के लिए रविवार को दिन वीवीआईपी लोगों का आना-जाना लगा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि शहीद स्क्वाड्रन लीडर लोकेंद्र सिंह सिंधु सदैव हमारी यादों में रहेंगे। मुख्यमंत्री रविवार को देव कॉलोनी स्थित स्क्वाड्रन लीडर शहीद लोकेंद्र सिंह सिंधु के घर पहुंचे, उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। परिवार जनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की और उनका ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि लोकेंद्र सिंह सिंधु सेना के जांबाज अधिकारी थे। सेना में रहकर वे लगातार देश की सेवा के अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत लोकेंद्र सिंह सिंधु की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। सीएम सैनी ने इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता हरबंस लाल मलिक के घर भी गए। पिछले दिनों बीमारी के चलते हरबंस लाल मलिक का निधन हो गया था। उन्होंने हरबंस लाल मलिक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। इस दौरान हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

रोहतक। शहीद लोकेंद्र सिंधु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि एवं परिवार को ढांढस बंधाते देते सीएम नायब सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

इन्होंने भी दी श्रद्धांजलि

इस दौरान हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व सांसद जनरल डीपी वत्स, भाजपा के वरिष्ठ नेता मनीष कुमार ग्रोवर, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेंद्र फोगाट, ओएसडीए वीरेंद्र बडख़ालसा, पार्टी की प्रदेश सचिव रेनू डाबला, राजकमल सहगल, पूर्व मीडिया कोऑर्डिनेटर राजकुमार कपूर, शहीद लोकेंद्र सिंह सिंधु के दादा बलवान सिंह सिंधु, पिता जोगेंद्र सिंह सिंधु, बड़े भाई ज्ञानेंद्र सिंह सिंधु, माता अनीता देवी, पत्नी सुरभी व बहन अंजली के अलावा भाजपा नेता मनोज मक्कड़, दीपू नागपाल, सतीश मलिक, शिवराज मलिक, शैलेंद्र मलिक व सचिन मलिक, कर्ण सिंह दलाल, पार्षद रमेश बोहर, ईश्वर सिंगल, विकास बंसल, सुनील फोगाट, कुलविंदर सिक्का व एडवोकेट अंकुश बिट्टू साहसी के अलावा उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया, रोहतक के एसडीएम आशीष कुमार व जिला सैनिक बोर्ड की सचिव गोरिका सुहाग सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जन स्वास्थ्य विभाग नहीं कर रहा योजना तैयार, आमजन परेशान

खेड़ी साध में पेयजल संकट गहराया टूटी जलघर की दीवार बनी जानलेवा

- ग्रामीणों को मजबूरी में पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम क्षेत्र में शामिल गांव खेड़ी साध इन दिनों पेयजल संकट और प्रशासनिक अनदेखी का गंभीर उदाहरण बनता जा रहा है। गांववासियों को पीने का पानी सप्ताह में महज एक बार नसीब हो रहा है, जिससे पूरा गांव पानी की बूंद-बूंद को तरस रहा है। ग्रामीणों को मजबूरी में पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही जलघर की दीवार टूट चुकी है जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इन हालात के बाद भी जन स्वास्थ्य विभाग नींद से नहीं जाग रहा है। गांव के निवासी रणबीर फौजी, जयभगवान, ओमप्रकाश, अनिल, राजेश बताते हैं कि खेड़ी साध गांव का हाल नगर निगम के दावों के बिल्कुल उलट है। जहां एक ओर शहर को स्मार्ट और सुविधाजनक बनाने की बात की जाती है, वहीं दूसरी ओर इस गांव में पानी की सप्लाई हफ्ते में केवल एक बार होती है। पीने का साफ पानी न होने के कारण ग्रामीणों को बारह से लेकर पानी खरीदना पड़ता है। सबसे चिंताजनक स्थिति गांव के जलघर (वॉटर वर्क्स) की है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलघर की दीवार पिछले ढाई साल से टूटी हुई है, लेकिन अब तक नगर निगम या जल आपूर्ति विभाग ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इस लापरवाही का खामियाजा पूरे गांव को भुगतना पड़ रहा है। जलघर की टूटी दीवार से होकर गांव की पालतू भैंसें रोज उसमें नहाती हैं, और वही दूषित पानी गांववासियों को पीने के लिए सप्लाई किया जाता है।

रोहतक। खेड़ी साध गांव में टूटी जलघर की दीवार बनी जानलेवा। क्षेत्र नगर निगम में आने के बाद भी कोई ध्यान दे रहा है। फोटो : हरिभूमि

शाम के समय बन जाता है शराबियों का अड्डा

इतना ही नहीं, स्थानीय लोग बताते हैं कि शाम के समय यह जलघर शराबियों का अड्डा बन जाता है। बिना दीवार और निगरानी के जलघर में असामाजिक तत्व धड़ल्ले से आकर शराब पीते हैं, नशा करते हैं और झगड़े करते हैं। रणबीर फौजी का दावा है कि पिछले चार सालों में तीन लोग जलघर में गिरकर अपनी जान गंवा चुके हैं। यह मौतें किसी प्राकृतिक कारण से नहीं, बल्कि अधिकारियों की लापरवाही और जलघर की सुरक्षा व्यवस्था के अभाव के कारण हुई हैं।

ग्रामीण बोले-समाधान नहीं, सिर्फ आश्वासन

ग्रामीणों का कहना है कि वे दर्जनों बार अधिकारियों से मिल चुके हैं। कई बार उन्होंने नगर निगम के अभियंताओं, पार्षदों, यहां तक कि मेयर से भी जलघर की मरम्मत और पानी सप्लाई को नियमित करने की मांग की है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। गांव वालों ने यह भी बताया कि वे अपनी शिकायत लेकर उपायुक्त और अतिरिक्त उपायुक्त से भी मिल चुके हैं।

हालात पूरी तरह से उलट

खेड़ी साध गांव के लोग आज एक बुनियादी सुविधा पीने के पानी के लिए जूझ रहे हैं। जहां केंद्र और राज्य सरकारें स्वच्छ जल और स्मार्ट विकास की बात करती हैं, वहीं नगर निगम के इस गांव में हालात पूरी तरह से उलट हैं।

समस्या को एजेंडे में शामिल नहीं किया जा रहा

उन्होंने ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में समस्या को रखने की गुहार लगाई, लेकिन अब तक उनकी समस्या को बैठक में शामिल नहीं किया गया। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में राज्य के मंत्री स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनका समाधान भी करवाते हैं, लेकिन जब तक उनकी समस्या को एजेंडे में शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक न तो मंत्री सुन पाएंगे और न ही कोई समाधान होगा।

जलघर की दीवार को तुरंत ठीक किया जाए

जलघर की दीवार को तुरंत ठीक किया जाए। जलघर परिसर को सुरक्षित किया जाए, ताकि कोई शराबी या जानवर वहां प्रवेश न कर सके। पीने के पानी की सप्लाई को सप्ताह में एक बार से बढ़ाकर रोजाना किया जाए। ग्रीवेंस कमेटी की अगली बैठक में इस मुद्दे को शामिल किया जाए और मंत्री स्तर पर समाधान सुनिश्चित कराया जाए। यदि जल्द इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो गांव में नाराजगी और असंतोष और भी बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो वे जोरदार जन आंदोलन करने को विवश होंगे।

पुलिस ने तीन होटलों में की रेड महिला और 3 युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने रविवार शाम बस स्टैंड और कोर्ट के पास 3 होटलों में छापेमारी की। एक महिला व 3 युवकों को देह व्यापार में संलिप्त पाया गया। डीएसपी रवि खुंडिया के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई की। पकड़े गए आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। कुछ दिन पहले भी पुलिस ने कई एरिया में होटलों में रेड कर महिलाओं को गिरफ्तार किया था।

एएसपी वाईवीआर शशि शेखर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि अप्पू घर और नया बस अड्डा के पास होटलों में वेश्यावृत्ति का अवैध धंधा चलाया जा रहा है। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए डीएसपी रवि खुंडिया के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर भेजी गई। अलग अलग होटलों में पुलिस ने रेड की। इस दौरान एक महिला व 3 लोगों को मौके से पकड़ा गया। जिनके खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की गई।

फर्जी ग्राहक बनाकर भेजा

एएसपी वाईवीआर शशि शेखर ने बताया कि पुलिस टीम ने कोर्ट के पास, अप्पू घर व नया बस अड्डा के पास स्थित होटलों में फर्जी ग्राहक बनाकर व्यक्तियों को भेजा। इसके बाद जैसे ही बात तय हुई पुलिस टीम ने इशारा मिलते ही होटलों में रेड मार दी और मौके से देह व्यापार में शामिल लोगों को पकड़ लिया।

आरोपियों को भेजा जेल

एएसपी ने बताया कि पुलिस ने देह व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ आर्य नगर थाना व सिविल लाइन थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया। पुलिस देह व्यापार को लेकर सख्त कार्रवाई कर रही है। इससे पहले भी कई होटलों पर रेड कर की गई थी।

टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के नाम पर 90 हजार रुपये की ठगी

- वारदात मे शामिल रहे दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस की टीम ने टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के नाम पर हुई करीब 90 हजार रुपये की ठगी की वारदात में रहे दो आरोपियो को गिरफ्तार किया है। आरोपियो को पेश अदालत कर पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। प्रभारी थाना शिवाजी कॉलोनी निरीक्षक राकेश सैनी ने बताया कि टेक नगर निवासी रिम्पी की शिकायत के आधार पर जांच मे सामने आया कि 12 फरवरी को रिम्पी की व्हाट्सएप के माध्यम से टास्क पूरा करने बारे बात हुई। रिम्पी ने टास्क पूरा किया तो उसके खाते मे 300 रुपये प्राप्त हुए। रिम्पी को और टास्क पूरा करने व रुपये वापिस देने का लालच देकर रिम्पी से 90 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। मामले की जांच सहायक हरीश को सौंपी गई। जांच में 11 जुलाई को आरोपी खालिद निवासी गांव डुंडलोध जिला झुंझनु व प्रवेश निवासी गांव बडवासी जिला झुंझनु को गिरफ़्तार किया गया है।

साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कराएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को आमजन साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर जाकर भी दर्ज करा सकते हैं। पुलिस द्वारा आमजन से अपील कि जाती है कि साइबर पोर्टल पर जाकर साइबर अपराध से संबंधित शिकायते दर्ज कराए। शिकायत दर्ज करने का तरीका बहुत ही सरल है। आमजन राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल https://cybercrime.gov.in पर जाकर साइबर अपराध से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते है। पोर्टल पर साइबर अपराध से संबंधित शिकायतो को दो भागों में बांटा गया है। पहला महिला बच्चों से संबंधित साइबर अपराध व दुसरा अन्य साइबर अपराध। पुलिस ने बताया कि महिलाओ बच्चो से संबंधित साइबर अपराध की गुमनाम तरीके से या रिपोर्ट और ट्रैक तरीके से शिकायत दर्ज करा सकते है। शिकायत दर्ज कराने के लिए राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग की https://cybercrime.gov.in वेबसाइट पर क्लिक करे। शिकायत करने के लिए आपको सबसे पहले मै सहमत हूं बटन पर क्लिक करेगे उसके पश्चात उपयोगकर्ता का नाम और मोबाईल नम्बर डालेगे। आप अपने मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त करने के लिए "GET OTP" बटन पर क्लिक करेंगे। ओटीपी बटन पर क्लिक करने के बाद आपका ओटीपी सक्रिय हो जाएगा और "submit" बटन पर क्लिक करेंगे। यहा आपको एक शिकायत भरने के चार भाग मिलेगे जिसमे घटनाओं का विवरण, संदिग्ध विवरण, शिकायत विवरण और पूर्वदर्शन व जमा करना दिया होगा। आप घटना के बारे में विस्तार से बताए और सेव कर अगले बटन पर क्लिक करके आगे बढ़े।

त्योहार संकट मोचन मंदिर में शिव भक्त हर-हर महादेव के जयकारों संग करेंगे जलाभिषेक

सावन का पहला सोमवार आज, दुल्हन की तरह सजे शिव व अन्य मंदिर, गूंजेगा हर-हर महादेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सावन के पहले सोमवार को शिव मंदिर में जल चढ़ाया जाएगा। इसके लिए शहर के मंदिरों में साफ सफाई कर सजाया गया है। किलोई के शिव मंदिर, मॉडल टाउन में गुफा वाले शिव मंदिर, वैश्य कॉलेज शिव मंदिर समेत शहर के अनेकों मंदिरों में आज पहले दिन भक्त जल चढ़ाएंगे। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां साध्वी गायत्री के सानिध्य में सावन माह के पहले सोमवार के उपलक्ष्य में मंदिर और भगवान की प्रतिमा को आकर्षित लाइटों से सुसज्जित किया गया है। कार्यक्रम में सावन माह में प्रतिदिन साध्वी मानेश्वरी देवी भक्तों संग सुबह शिवलिंग पर जलाभिषेक और रुद्राभिषेक तथा शाम 4 से 6 बजे तक शिवपुराण कथा करेंगी।

तत्पश्चात साध्वी मानेश्वरी देवी के प्रवचन, कीर्तन और प्रसाद वितरित किया जाएगा। पंडित अशोक शर्मा द्वारा आरती होगी। यह जानकारी सचिव गुलशन भाटिया ने दी। साध्वी ने कहा कि हिंदू धर्म में सावन माह के सोमवार का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस माह में भगवान शिव व माता पार्वती की विधिवत पूजा करने से मनवांछित फल मिलता है। इस बार के चार सोमवार ही पड़ेगें। ऐसा कहा जाता है कि सावन में भगवान शिव और माता पार्वती पृथ्वी पर आकर अपने भक्तों के कष्ट दूर करते हैं। इस महीने में भगवान शिव के लिए रुद्राभिषेक किया जाता है। सोमवार को शिवभक्त शिवलिंग पर कच्चा दूध, धतुरा, भांग, दही, बादाम, गंगाजल, तुलसी व बेल के पत्तों, फल-फ्रूट, फल चढ़ाकर पूजा अर्चना करेंगे। शिवालय पर बम-बम भोले और हर-हर महादेव के स्वरों से गूंज रहेगी। भक्त महामृत्युंजय मंत्र का जाप कर, विधि-विधानुसार शिवलिंग की पूजा अर्चना करेंगे और सुख-समृद्धि की कामनाएं की।

सावन में सोमवार

यह है सावन माह के सोमवार
सावन पहला सोमवार 14 जुलाई, दूसरा सोमवार 21 जुलाई, तीसरा सोमवार 28 जुलाई, सावन चौथा व अंतिम सोमवार सावन पूर्णिमा रक्षाबंधन 9 अगस्त को है।

शिवलिंग की सबसे पहले पूजा

साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि कहते हैं भगवान शिव की लिंग रूप में पूजा सबसे पहले भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु ने की थी। सावन के महीने में भगवान शिव सहज पूजा अर्चना से प्रसन्न हो जाते हैं। श्रद्धापूर्वक जो कोई महामृत्युंजय मंत्र का प्रेम सहित जप करें तो अकाल मृत्यु का संकट अपने आप दूर हो जाता है। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में सोमवार के दिन विधि विधान के साथ भगवान शिव का व्रत रखने से गृहस्थ जीवन सुखी होता है व परिवार जनों को उत्तम आरोग्य का वरदान मिलता है।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लखमीचंद का वाग्वैभव हरियाणा की शान

काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्यकवि कहलाए दादा लखमी

कविवर लखमीचंद कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है।

15 जुलाई :जयंती विशेष

चंद्रशेखर शर्मा

जीवन और जगत से जुड़ी चर्चा ध्यान तो खींचती है सभी का किन्तु जब वह बात लोकोपयोगी सिद्ध हो जाती है तो एक साहित्य में स्थान पा जाती है। मैं कौन हूं, कहां से आया हूं, किस लिए आया हूँ ? ऐसे-ऐसे प्रश्न जनसाधारण को और बुद्धिजीवी वर्ग को कभी से सालते रहे हैं।

सम्पन्नता से भरे जीवन के बाद भी आत्मा तुष्टि के लिए संधान में जुटी रही है। यह आत्मा चूंकि उस अच्युत का ही अंश है अतः उसी के परम-स्वरूप का सान्निध्य पाने और उसी में लीन होने के लिए लालायित रहती है। हमारे समाज ने अच्छे-बुरे समय को देखा है पर उस समय में एकरसता का प्रसार करना, समाज में सौमनस्य स्थापित करने का कार्य जो हमारे साहित्यकारों ने किया है, उसे हम कथमपि न्यून नहीं कह सकते। हरियाणा की भूमि ने जहां राष्ट्रभाषा को समृद्ध करने वाले और सजग साहित्यकार दिए वहीं आंचलिकता को सम्पन्न करने वाली विभूतियां भी दीं। इन्हीं आंचलिक विभूतियों में एक नाम है कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद का जो अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्य-कवि कहलाए। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्योदय होता है तो आकाश के वो सितारे जो सूर्य के पीछे अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, दिखाई नहीं देते और न ही वो सितारे दिखायी देते हैं जो सूर्य से पहले दिखायी देते हैं। सूर्य का आलोक है ही ऐसा।

यह तथ्य है कि हरियाणा का कोई संस्कृति-प्रेमी अभागा-सा ही प्रतीत होता है जो पण्डित लखमी चंद के नाम से अपरिचित प्रमाणित होता है। उनका नाम प्रदेश के अग्रगण्य साहित्यकारों में आता है। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन सांगों के माध्यम से किया। सांग (स्वांग) हरियाणा की प्रसिद्ध अभिव्यक्ति-शैली है जिसमें एक समृद्ध परम्परा साफ-साफ हमारे सामने आ खड़ी होती है। पन्द्रह जुलाई सन् 1903 को जिला सोनीपत के गांव जांटी में जन्मे पण्डित लखमीचंद अपठित थे पर अक्षर ज्ञान न होने के बावजूद भी उन्होंने लोकप्रियता के जिस स्तर को छूआ, उसे जानकर आज भी उनका व्यक्तित्व स्पृहणीय है। बेशक वो अपठित थे लेकिन बहुश्रुत होना उन्हें बड़ा रास आया था। दो-सौ रुपये प्रतिमाह पर दो ब्राह्मणों को केवल इसलिए रखा कि वे उन्हें श्रीमद्भागवत की कथा सुना दिया करें और श्रवणोपरान्त किसी शब्द का सही अर्थ बता दिया करें तथा किसी शंका का समाधान भी प्रस्तुत कर दिया करें। उनकी यह सार-संग्रही -वृत्ति उन्हें अग्रगण्य बना गई।

मण्ढाणा गांव के जिस दिव्य और सिद्ध पुरुष के यह बात पुष्ट हुई कि इस (लखमीचंद) से क्या प्रश्न पूछा जाय, इसके तो मुख पर साक्षात सरस्वती का वास है। वैसे मण्ढाणे वाले बाबा की सिद्धियों की मैंने भी अपने घर-परिवार में सुनी है। उनकी एक प्रति या भिवानी के किरोड़ीमल मन्दिर में देखी जा सकती है।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है। सेठ ताराचन्द्र, शाही लक्कड़हारा, नल-दमयंती, मीरा बाई आदि उनके जितने भी स्वांग हैं, उनमें पात्रों को जिस प्रकार से भाव मण्डित किया गया है, वह बेमिसाल है।

परम तत्त्व के साथ जुड़ जाने की तीव्र लालसा और संसार की इच्छाओं और आकर्षण के प्रति बिराग लिए घूमना व्यक्ति को व्यक्ति नहीं कुछ और ही बना देता है। ऐसी अवस्था में ये बोल मुख से निकल आएं तो क्या आश्चर्य कि

'लख चौरासी खतम हुई ना बीत कलप युग चार गए
कितनी मायां का दूध पी लिया मरते-मरते हार गए।'

ऐसे विचार किसी मुमुक्षु के ही हो सकते हैं। उनके विचार जो सामने आते हैं, उनका स्तर जन सामान्य के स्तर से कहीं ऊंचा है।

लौकिक व्यवहार को जानने वाले इस सच से वाकिफ होंगे कि प्रणय-सम्बंधों की जब शुरुआत होती है तो पहला कदम पुरुष को ही उठाना होता है किंतु सत्यवान और सावित्री के प्रसंग में यह हरकत, यह पेशकश सावित्री की ओर से आती है। 'फर फर, फर-फर फररर.. होरी हवा में उड़ता चीर तेरा' नामक रागनी नारी का नर के आगे प्रणय निवेदन करना देखने और सुनने वाले में रोचकता को भर देता है। 'मेरा कुणसा ढंग सुसराड़ जान का दमयंती भोली-भाली, कोए बुरा कहै कोए भला कहै कोए राम-राम बुरा दे गाली' कविताई को जानने वाले सहज ही अनुमान लगा लेते हैं कि शब्द पण्डित जी के आगे प्रार्थना कर रहे हैं, अपने चयन के लिए। अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर उन्होंने सामाजिक हित के बहुत कार्य किए। वैदिक पाठशाला खोलना, गोशालाएं खोलना, तालाब आदि खुदवाना जैसे बहुत से प्रशंसनीय कार्य उन्होंने किए। कुछ विवशताओं के चलते उन्हें शराब पीने की लत भी लगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उनका स्वास्थ्य निरन्तर गिरने लगा। गाँव कुमासपुर में जनता के भारी आग्रह पर उन्हें एक सांग में लाया गया था। उस स्थान पर लोगों ने उनकी अन्तिम उपस्थिति देखी थी। वर्ष 1945 में वो देदीप्यमान नक्षत्र इस संसार से विदा ले गया। उनकी वंश परम्परा में आज उनके पौत्र पण्डित विष्णुदत्त हैं। शिष्य परम्परा में कई नाम हैं, पर पण्डित मांगेराम उनके सर्वाधिक प्रिय सांगी हुए हैं।

कविवर लखमीचंद के व्यक्तित्त्व और कृतित्व का प्रभाव क्या कहिए, कई दृष्टांत ऐसे हैं जो अचम्भित करते हैं। जैसे ही समाज में यह खबर फैली कि पण्डित लखमीचंद अब इस दुनिया में नहीं रहे तो रोहतक के सोनीपत स्टैंड पर एक किसान ने चीखते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा ली, उसके ये शब्द -'हाय दादा! तेरे बिना कोन्या जिया ज्यावै।' वह कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की। फिर कोई पण्डित मान सिंह सरीखा गुरु आए और पण्डित लखमीचन्द्र जैसा शिष्य दे दे।

रागनी | **रामधारी खटकड़**

बेटी हिन्दुस्तान की

सुण बेटी हिन्दुस्तान की तू बहोत घणी होशियार
जगत म्हं हो नाम...हे तेरी चाहू जय जयकार (टेक)

सामाजिक प्रदूषण बढग्या, इसनै दूर हटाईये बेटी
नशीली इस संस्कृति म्हं बिल्कुल खो ना जाईये बेटी
विज्ञापन की चमक-दमक तै अपणा गात बचाईये बेटी
गुण्डागर्दी छीनाझपटी जगह - जगह इब दीक्खै हे
बाजार गर्म है नंगेपण का, हर चैनल पै चीखै हे
मॉडल आळा सपना लेकै, नया ऐब ना सीखै हे
बुराई तै टकरा...और नया माहौल कर त्यार.....
जगत म्हं हो नाम.....

भगतसिंह की दुर्गा भाभी, तनै बणाणा चाहूँ सूं
शहीदां नै इस देश के अन्दर फेर बुलाणा चाहूँ सूं
भ्रष्टाचारी इस सिस्टम तै पिण्ड छुड़ाणा चाहूँ सूं
कमरे म्हं फिल्मी चित्र, बिल्कुल ना चिपकाईये हे
बिगड़ी जा रही शान देश की, इसनै ईब बचाईये हे
चन्द्रशेखर राजगुरू सुखदेव का फोटू लाईये हे
चाहिए सै हथियार....हे ले ज्ञान हथियार....
जगत म्हं हो नाम......

काला चश्मा तार आंख तै, आंख खुलैगी तेरी हे
नन्हीं - नन्हीं जान देश की ढाब्यां पै दुख खे री हे
बर्तन मलमल जिन्दगी को ये मुश्किल धक्का दे री हे
किते - किते गोदाम सड़ैं, किते भूखे बच्चे रोते हैं
टूक मिलै ना पेट भराई, सुबक - सुबक कै सोते हैं
भ्रष्टाचारी माणस देखो मिलकै नाव डुबोते हैं
मिलकै इसे बचा...ना तै डुब्बैगी मझधार......
जगत म्हं हो नाम.............

स्वाभिमान तै जीणा सीख, बात मेरी ले मान लाडली
हर क्षेत्र म्हं आगै बढकै, हिन्द की बणज्या शान लाडली
तेरे लबों से सुणना चाहूं, जागृति का गान लाडली
दुनियां म्हं म्हारी इज्जत बढज्या, ऐसे करिये काम हे
तेरा पिता मैं न्यूं चाहूं, तू म्हारा कर दे नाम हे
हम जीन्द जिले के रहणे आळे, खटकड़ सै म्हारा गाम हे
रामधारी नै तू गा....फेर नया बसै संसार.......
जगत म्हं हो नाम

रागनी | **पवन मित्तल**

कवि सै दरबारी कोन्या

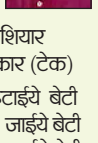

कवि सै दरबारी कोन्या, इतने अनाचारी कोन्या ।
सत्ता के पुजारी कोन्या, जो गीत उनके गाएं जां ।। टेक

कवि धोरै कवि आवैं, चलै ज्ञान के रगड़े
तर्कशास्त्र करने की खातिर, सारे होज्यां तगड़े
रहण दो सब झगड़े टंटे, छलकै उड़ै प्रेम के बंटे
होज्यां बारहा-बारहा घंटे, सुने जां सुनाये जां...1

सच्चाई तै लिखना म्हारा, ना भय कोए गम ना
सब दुनिया का भला चाहवै सै, हम किसै तै कम ना
चलै कलम जब भी म्हारे पै,चोरां की नाड़ धरी आरे पै
समता और भाईचारे पै, लिखे जां लिखाये जां...2

कवि धर्म एकाधां जाणै, बहोत मिलै बेवकूफ
बनकै भांड घणे हांडै सै, इसाए इनका भूप
फिर कोई नेताजी चाहिए,ना कमती ना बाहदू चाहिए
राजनीति का साधु चाहिए, जो बसे जां बसाए जां...3

पवन मित्तल कवियां म्हं रहकै, मन होग्या सै जोगी
डर भय का कोए काम नहीं, डरा करै सै भोगी
बामणवास का नाम करादे, जियानंद का भजन करादे
देश हित की रागनी करादे, गाएं जां बजाये जां....4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

मराठों ने जार्ज थॉमस की बढ़ती शक्ति को देख अपने कमांडर जनरल पैरों को उस पर धावा बोलने के आदेश दिए

जहाजगढ़ में 1801 में हुआ था भीषण युद्ध

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

झज्जर के पश्चिम में स्थित जहाजगढ़ गांव के इर्द गिर्द महीने भर तक भीषण युद्ध हुआ था। दिल्ली दरबार पर मराठों का वर्चस्व कायम होने पर उन्होंने आयरलैंड वासी अपने एक कमांडर को झज्जर की जागीर प्रदान की थी। जार्ज थॉमस नामक यह अधिकारी कुछ ही महीनों में इतना शक्तिशाली बन गया कि उसने न केवल जहाजगढ़ में एक किला बना लिया बल्कि मराठों से स्वतन्त्र होकर अपना एक नया राज्य ही स्थापित कर लिया था। ये सभी गतिविधियां वर्ष 1794 से 1801 के मध्य की गई थी।

दिल्ली की तलहटी से लेकर हांसी-हिसार तक गठित अपने राज्य का नाम सर्वप्रथम हरियाणा उसी ने रखा था लेकिन उसके इतना बलशाली एवं स्वतन्त्र होने पर मराठों को दिल्ली के लिए खतरा अनुभव होने लग गया था। तब वर्ष 1801 में मराठा मुखिया सिंधिया ने अपने कमांडर जनरल पैरों को जार्ज पर धावा बोलने का आदेश दे दिया। लेकिन तब तक जार्ज थॉमस एक बड़ी सेना गठित कर चुका था। वह हांसी के किले में तोपे बनाने का कार्य कर चुका था। उसके तीन और स्थानों झज्जर, जहाजगढ़ तथा हांसी में पर्याप्त युद्ध सामग्री का संग्रह हो चुका था। मराठों तथा जार्ज दोनों की सेनाओं में यूरोपीय कमांडर नियुक्त थे। जनरल पैरो फ्रान्स देश का वासी था। अन्ततः वार्ता आदि के विफल रहने पर मराठा सेना ने लुईस बौरकीन के नेतृत्व में जार्ज के गढ़ जहाजगढ़ पर सितम्बर 1801 में आक्रमण कर दिया। जनरल पैरों स्वयं झज्जर तक आया तथा भरे खां नामक अधिकारी को झज्जर का प्रशासक बनाया गया। फिर बौरकीन व स्मीथ की सेना ने भारावास थली तथा माजरा गांव के पास कैम्प किया। उधर जार्ज भी हांसी का चार्ज रोहिला बटालियन को सौंपकर जहाजगढ़ किले में पहुंच गया और सितम्बर के अन्तिम सप्ताह से ही युद्ध आरम्भ हो गया। दोनो ओर से तोपें चलती रहीं। प्रायः प्रतिदिन युद्ध होने लग गया। जार्ज के पास भी तीन विश्वासपात्र युरोपीय कमांडर होपकीन, कैप्टन ब्रीच व कैप्टन हीयरसे थे। जिन्होंने मराठा सेना का महीने भर तक मुंहतोड़ जवाब दिया। तब मराठों के सामने ज्यादातर देशी शासक नतमस्तक होते थे, इसलिए जनरल के आग्रह से विभिन्न देशी शासकों की सैन्य सहायता भी जहाजगढ़ में पहुंच गई। इनमें सिख शासक गुरदत्त सिंह, गंगा सिंह, भाई लाल सिंह, ब्रजबन्दी सिंह, भरतपुर शासक रणजीत सिंह, हाथरस राजा रामधन सिंह, दोआब आमील रामदयाल तथा बेगम समरू के सैनिक जहाजगढ़ पहुंच गए। ऐसे में स्वयं आंकलन कर सकते हैं कि इतनी भारी भरकम सैन्य शक्ति का मुकाबला जार्ज ने किया था तो कितना भीषण युद्ध हुआ होगा। इस प्रकार सन 1801 का पूरा अक्टूबर महीना जहाजगढ़ के इर्द-गिर्द युद्ध हुआ। अन्त में जॉर्ज के किलेदार सिताब खां ने दुश्मन से मिलकर जहाजगढ़ के किले में आग लगा दी। तब बचे हुए अपने सैनिकों के साथ जार्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। मराठों की सम्मिलित सेना भी पीछा करती हुई एक सप्ताह बाद हांसी के बाहर पहुंच गई। 8-10 दिनों तक जार्ज की सेना ने हांसी में भी युद्ध किया। आखिर कुछ युरोपीय सैनिकों के परामर्श से जार्ज ने दिसम्बर 1801 में आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात है कि उस भीषण ऐतिहासिक युद्ध का हरियाणा प्रदेश के शिक्षा विभाग की किसी भी पुस्तक में विवरण नहीं दिया गया है।

हिसार स्थित जॉर्ज कोठी जो जॉर्ज थॉमस का निवास स्थान थी, इसे वर्तमान में जहाज कोठी के नाम से जानते हैं।

हांसी के प्राचीन किले के अवशेष जहां जॉर्ज ने अपने राज्य की राजधानी स्थापित की।

लोक कला एवं संस्कृति अतीत की विरासत : डॉ. सीमा वत्स

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणवी संस्कृति में लोक कला एवं संगीत की परंपरा की विरासत को संजोने के लिए लोक कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला के रंग बिखेर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में महिला लोक कलाकार डा. सीमा वत्स भी कविताओं और गीत संगीत के साथ लोक नृत्य की कला को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। अपनी लोक कला के जरिए वह लिंग भेदभाव, नारी विमर्श और सामाजिक सरोकार के मुद्दों को लेकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। खासकर वह नई पीढ़ी को लोक कला एवं संस्कृति की शिक्षा देकर उन्हें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का भी संदेश दे रही हैं।

अपनी लोक नृत्य और गीत संगीत के सफर को लेकर एक शिक्षिका, कवयित्री और लोक कलाकार डा. सीमा वत्स ने बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं को भी रखा है, जिसमें लोक कला, संगीत और संस्कृति एक अतीत की विरासत ही नहीं है, बल्कि भविष्य का आधार भी हैं, जिससे अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के साथ युवा पीढ़ी को आत्मिक, रचनात्मक और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाना संभव है। हरियाणा की लोक कलाकार डा. सीमा वत्स (डॉ. सीमा रानी) का जन्म 4 मई 1981 को करनाल जिले के घरौंडा में मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हरिकिशन शर्मा और कमला देवी के घर में हुआ। घर परिवार में किसी तरह का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन घरों में तीज़ त्योहार शादी ब्याह आदि समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय जैसी कलाकारी देखने को जरूर मिलती रही। उनकी प्राइमरी से इंटरमिडिएट की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। आर्य कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही महज 19 साल की आयु में इनका विवाह हो गया और अगले वर्ष मातृत्व सुख और गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियों के साथ पढ़ाई को जारी रखना और लोक कला को जीवित रखना उनके लिए संघर्षशील रहा। चबचपन से ही उन्हें गीत संगीत की अभिरुचि के साथ साहित्यि का भी शौक था। उन्होंने एमएससी किया और दोबारा से एमए (अंग्रेजी) की शिक्षा पूरी की। इसके बाद वह पीएचडी पूरी करने में भी कामयाब रही। जीवन के ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच उन्होंने लोक नृत्य विधा को अपने से दूर नहीं होने दिया। लोक संस्कृति में नृत्य और गीत की अभिरुचि के चलते ही उन्होंने ग्रेजुएशन में संगीत विषय को चुना था। बकौल डा. सीमा वत्स उनकी कला एवं साहित्यिक गतिविधियों तथा लेखन का फोकस सामाजिक सरोकार के मुद्दे रहे हैं। पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का और भीख मांगते बच्चों का स्कूल में दाखिला, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य कर रही हैं l डा. सीमा वत्स गीता जयंती, जिला स्तरीय कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन और काव्य गोष्ठी, रेडियो आकाशवाणी आदि में अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कार्यस्थल और घर की कक्षाओं में सांस्कृतिक प्रभारी और कोरियोग्राफर के अलावा जिला राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में कोरियोग्राफर के रूप में कार्य करने का भी अनुभव है।

पुरस्कार और सम्मान

लोक कलाकार डा. सीमा वत्स को लोक कला व संगीत में अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाजा जा चुका है। भारत नेपाल साहित्य सम्मेलन में स्वर साधना मंच द्वारा उन्हें काव्य स्पंदन सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। वहीं उन्हें गोपाल दास नीरज साहित्य समूह साहित्य सम्मान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सम्मान, कला सांस्कृतिक साहित्य सम्मान, सनिधा साहित्य श्री सम्मान, राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान, बी एम बी एक्सीलेंस अवार्ड और लखनऊ में हेल्प यू नारी अस्मिता सम्मान से भी पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सार्थक सेवा समिति, आशा रंगलाल जगदेव फाउंडेशन और श्री शक्ति स्वरूपा भव्य भारत की दिव्य विभूति जैसी संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

आधुनिक युग में चुनौती

डा. सीमा वत्स का इस आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर कहना है कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रभाव, लोक कला, रंगमंच, अभिनय, संस्कृति और साहित्य जैसी परंपरागत विधाओं में देखा जा रहा है। खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जिसके कारण पहले की तुलना में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि कुछ कम होना स्वाभाविक है। खासतौर से डिजिटल युग में पारंपरिक कलाओं की जगह आधुनिक, तकनीकी और त्वरित मनोरंजन के साधन बन गये और युवाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स जैसी चीजें भाने लगी हैं। जबकि लोक कला या साहित्य जैसे क्षेत्र ही समाज को सकारात्मक ऊर्जा और अपनी संस्कृति से जोड़े रखता है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवाओं को साहित्य और लोक कला व संस्कृति के प्रति प्रेरित करने की दिशा में स्कूली और कॉलेज स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वहीं सरकारी और निजी स्तर पर लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

खरहर में हर घर सूर्य योजना की दी जानकारी

सांपला। विद्युत निगम ने रविवार को खरहर गांव में पीएम हर घर सूर्य योजना के बारे में सोलर मेले का आयोजन किया। जिसमें एसडीओ जोगेंद्र सिंह मोर ने उपभोक्ताओं को सोलर योजना के बारे में विस्तार से जानकारी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत उपभोक्ता का बिजली का खर्च घटेगा, वहीं सरकार की तरफ से सब्सिडी भी दी जा रही है। कई उपभोक्ताओं ने सोलर पैनल लगवाने के लिए फार्म भी भरे। कई उपभोक्ताओं ने सोलर पैनल लगवाने के लिए फार्म भी भरे। अंतरराष्ट्रीय पुलिस गेम में गोल्ड मेडल जीत कर आई प्रिया राठी को लोगों ने सम्मानित किया। इस मौके पर नवीन दीक्षित ,संदीप, राहुल राठी आदि भी उपस्थित थे।

महम। हजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व विधायक बलराज कुंडू। फोटो : हरिभूमि

बलराज कुंडू 23 को लेंगे कार्यकर्ताओं की मीटिंग

महम। पूर्व निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू 23 जुलाई को महम स्थित हरियाणा जनसेवक पार्टी कार्यालय में वर्कर मीटिंग करेंगे। यह मीटिंग कई मायनों में खास मानी जा रही है। क्योंकि इस दिन से वे गत विधानसभा चुनाव के बाद महम हलके में अपनी राजनैतिक सक्रियता शुरू करने जा रहे हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस दिन वे हलके के लोगों के लिए अपने निजी कोष से किसी विशेष योजना की शुरूआत कर सकते हैं। क्योंकि पहले भी वे महम हलके में कई तरह के समाजसेवा के काम कर चुके हैं। रविवार को उन्होंने महम ऑफिस में टीम के सदस्यों के साथ सलाह मशविरा किया। निर्णय लिया गया कि 23 जुलाई को महाशिवरात्रि का त्योहार अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के संग मनाएंगे और यहीं पर अपने कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श करके आगे की चुनावी रणनीति तय करेंगे।

दिल्ली में सम्पन्न हुआ ऐतिहासिक 'श्री गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव 2025'

आज संसार को धर्म से नहीं, धर्म की चेतना से जोड़ने की आवश्यकता

सिद्धगुरुवर श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने अपने दिव्य प्रवचनों से उपस्थित भक्त जनसमूह को जीवन के परम सत्य से परिचित कराया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली का तालकटोरा इंडोर स्टेडियम (एनडीएमसी) रविवार को आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा से ओतप्रोत एक अद्भुत दृश्य का साक्षी बना, जहां 'श्री गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव 2025' का भव्य एवं दिव्य आयोजन अत्यंत उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस ऐतिहासिक समारोह का आयोजन विश्व धर्म चेतना मंच– दिल्ली एवं एनसीआर के तत्वावधान में तथा श्री सिद्धेश्वर तीर्थ ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के सौजन्य से किया गया।

इस महासमागम में भारत के कोने-कोने सहित विदेशों से भी हजारों श्रद्धालु, साधक, शिक्षाविद, राजनेता एवं समाजसेवी शामिल हुए। पूरा वातावरण गुरु महिमा के जयकारों, मंत्रोच्चारण और भक्ति के भाव से गूंज उठा। श्रद्धालुओं में अपने सद्गुरु के साक्षात दर्शन और दिव्य उपदेशों को सुनने की अदम्य उत्सुकता देखने को मिली। कार्यक्रम के आयोजन से लेकर उसे सफल बनाने तक मुख्यतः सरला बोथरा (ग्लोबल महिला चेयरपर्सन, श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति), विश्व धर्म चेतना शाखा दिल्ली अध्यक्ष एस एन चांडक, शाखा नोएडा अध्यक्ष जेठमल मेहता, हरियाणा अध्यक्ष संजय शर्मा व अन्य गुरुभक्तों की अहम भूमिका रही।

समारोह ये रहे मौजूद

इस आयोजन में सांसद मुकेश दलाल सूरत, कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल बुरहानपुर, सांसद, उत्तर-पूर्वी दिल्ली मनोज तिवारी, सांसद बांसुरी स्वराज, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के अलावा, हेमंत पवारी, अजय गुप्ता उद्योगपति, वीरेंद्र सहवाग पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विजेंद्र सिंह भारतीय पेशेवर मुक्केबाज (ओलंपियन) सहित अनेक राज्य सरकार से जुड़े पदाधिकारी न्यायपालिका से जुड़ी हस्तियां तथा भारत के कई प्रमुख राजनेताओं, समाजसेवियों और प्रशासकों ने भी भाग लिया और गुरुदेव के दिव्य उपदेशों से लाभान्वित हुए।

गुरुदेव सनातन धर्म की चेतना के प्रणेता: मंत्री

कार्यक्रम का हिस्सा बने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि गुरुदेव ने अपनी साधना, तपस्या और वैदिक ज्ञान से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में शांति और मानव कल्याण का संदेश दिया है। गुरुदेव का प्रकाश, उनका आशीर्वाद, हम सभी को जीवनभर दिशा देता रहेगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि गुरुदेव सनातन धर्म की चेतना के प्रणेता हैं। उन्होंने हमें न केवल धर्म की रक्षा करना सिखाया, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाई है। उनके विचार आज के समय की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने गुरुदेव की असीम शक्तियों और दिव्य अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि गुरुदेव के सानिध्य में आकर मन को जो शांति और ऊर्जा मिलती है, वह अवर्णनीय है। यह कोई साधारण अनुभव नहीं, यह ईश्वरीय अनुभूति है। कार्यक्रम के अंत में आश्रम आचार्य पं. श्री श्रीनिवास श्रीमाली के मंत्रोच्चारण के साथ गुरु पाद पूजन सम्पन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के पावन चरणों में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समस्त वातावरण मंत्रमुग्ध कर देने वाली दिव्यता से भर गया।

गुरु पूर्णिमा केवल पर्व नहीं, वह आत्मजागरण की प्रक्रिया : सिद्धगुरुवर श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने अपने दिव्य प्रवचनों से उपस्थित भक्त जनसमूह को जीवन के परम सत्य से परिचित कराया। गुरुदेव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल पर्व नहीं, वह आत्मजागरण की प्रक्रिया है। गुरु वह दीप है जो अंधकार को दूर कर चेतना को प्रकाशित करता है। जिस क्षण शिष्य नतमस्तक होता है, उसी क्षण उसमें परमात्मा का बीज रोपित होता है। यह महोत्सव केवल पूजा का नहीं, आत्मदर्शन का पर्व है। उन्होंने आगे कहा कि आज संसार को धर्म से नहीं, धर्म की चेतना से जोड़ने की आवश्यकता है। गुरु का कार्य केवल ज्ञान देना नहीं, अपितु शिष्य के भीतर छिपे ईश्वरत्व को जागृत करना है। मेरा प्रत्येक शिष्य आत्मनिर्भर, आत्मजागृत और समाज के लिए उपयोगी बने, यही मेरा संकल्प है।सिद्धगुरुवर ने विश्व मानवता को भी संदेश देते हुए कहा कि आज जब मानवता भौतिकता की दौड़ में थक चुकी है, तब गुरु का कार्य है उसे आत्मिक विश्रांति देना। यह युग केवल विज्ञान का नहीं, विवेक का युग होना चाहिए।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट के विद्यार्थियों ने गृह कार्य प्रदर्शनी में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद गृहकार्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और गहन विषय ज्ञान का अनुपम परिचय दिया।

प्रदर्शनी में उपस्थित अभिभावकों ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा करते हुए उन्हें रिमार्क्स भी दिए। प्रदर्शनी के दौरान देखा गया कि छात्रों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट की विस्तार पूर्वक व्याख्या की। अभिभावकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर आत्मविश्वास से दिया और अपनी सोच को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने विद्यार्थियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि एग्जीबिशन न केवल एक शैक्षिक गतिविधि है बल्कि यह विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने, प्रोत्साहित करने और उन्हें मंच प्रदान करने का अवसर भी देता है। ग्रीष्म अवकाश बच्चों के लिए ऐसा समय होता है, जब वे अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता को उड़ान देने के लिए स्वतंत्र होते हैं। इस प्रदर्शनी का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया कि बच्चे अपने कलात्मक व प्रस्तुतीकरण कौशल व वैज्ञानिक सोच को प्रदर्शित कर सकें। इन कार्यों से बच्चों का मनोबल बढ़ता है, साथ-साथ उनमें किसी विषय को गहराई तक पढ़कर उस पर परियोजना तैयार करने के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी और सहयोग की भावना भी विकसित होती है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्या मशेंका, रितु, विन्नी, रेखा, रुचि, किरण ,रेशमा, सीमा शर्मा, शोभा, हर्ष, नीलम, सुमन, दीपमाला, स्नेहलता, वीरेन्द्र, रोहित, सुमित, संदीप राठी, जयदीप, कृष्णा गिल आदि अध्यापकगण उपस्थित रहे।

लोगों के डर से कार्य को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए: ईश्वर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट ने नए भवन में बाल संस्कार का कार्यक्रम करवाया

माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नए भवन में बाल संस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया मुख्य अतिथि राजकुमार बंसल व उनके सुपुत्र गृहमंत्रालय के उपनिदेशक सौरभ बंसल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। सौरभ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपना समय व्यर्थ ना करके उसे सही जगह पर लगाना चाहिए। जिससे हमें सफलता की प्राप्ति होगी।

हमें अपनी संगत अच्छी रखनी चाहिए व निरंतर मेहनत करनी चाहिए। प्रतिष्ठित समाज सेवी ईश्वर सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि हमें अच्छे कार्य करते रहना चाहिए तथा लोगों के डर से कार्य को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। शिक्षादान-महादान है। यह एक ऐसा दान है जो बांटने से कम नहीं होता बल्कि बढ़ता है। उन्होंने बच्चों के आने वाले उज्जवल भविष्य की कामना की। डा. पुष्पलता आहुजा ने कहा कि संस्कार देना एक अमूल्य एवं पुण्य का काम है। जो आज के समय में अत्याधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों से प्रश्न पूछा कि पाप करने का मुख्य कारण क्या है तो विद्यार्थियों का जवाब रहा कि लोभ एवं लालच ही पाप करने का मुख्य कारण है।ट्रस्ट के चेयरमैन हरि प्रकाश गुप्ता ने बताया कि दूसरो को खुशी देने से हमारे दुख भी विलुप्त हो जाते है तथा खिलाकर खाने व पिलाकर पीने में मजा कुछ और ही है, तुम मानो या ना मानो ट्रस्ट के बच्चों की सेवा करने का मजा कुछ और ही है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा अतिथियों का फूलों के बुके, पटका, मोती की माला, शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर हरि प्रकाश गुप्ता, डा. डीके. जैन, पवन गोयल, गोविन्द राम सिंघल, अजेश गुप्ता, दिनेश गर्ग, संजय चावला, ओमप्रकाश विरमानी, कविता जांगड़ा, सतीश वर्मा, डा. दीपक गुप्ता, ईश्वर लाल, गणपत शर्मा, सतीश ठेकेदार व सभी सदस्यगण उपस्थित थे।

भिवानी के राज्य स्तरीय समारोह में बोहर से धर्मसिंह प्रजापति ने जत्थे सहित की भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महाराजा दक्ष प्रजापति की पुण्य स्मृति में आयोजित संत महापुरुष सम्मान एवं प्रसार योजना के अंतर्गत भिवानी में भव्य राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रहे। इस आयोजन में प्रदेशभर से संत, समाजसेवी, प्रजापति समाज के प्रतिनिधि और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इस विशेष अवसर पर बोहर गांव से समाजसेवी धर्मसिंह प्रजापति ने अपनी अगुवाई में एक विशाल जत्थे के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने गांव की महिलाओं और अन्य समाजजन को विशेष बस के माध्यम से समारोह स्थल तक पहुंचाया। यात्रा के दौरान बस में ही सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें आध्यात्मिक भजनों और संतवाणी के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। मुख्यमंत्री ने संत महापुरुषों की शिक्षाओं और प्रजापति समाज की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला। कहा कि प्रजापति समाज न केवल निर्माण और शिल्पकला में दक्ष रहा है, बल्कि समाज निर्माण में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी और समाज के युवाओं से इनका लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया गया। समाजसेवी धर्मसिंह प्रजापति की सक्रिय भूमिका और समाजहित में किए जा रहे।

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी: डीसी

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना (सेंट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कॉलरशिप फॉर कॉलेज एण्ड यूनिवर्सिटी स्टुडेंट) के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की प्रक्रिया जारी है, जिसकी अंतिम तिथि मंत्रालय द्वारा 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा इस स्कीम के अंतर्गत फ्रेश छात्रवृत्ति के लिए पात्र छात्र/छात्राओं की मेरिट कट ऑफ लिस्ट बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त नवीनीकरण (रिन्यूअल) के लिए पात्र छात्र/छात्राएं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल www.scholarships.gov.in पर उपलब्ध हैं। सभी पात्र छात्र/छात्राएं 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें।

■ आवेदन के लिए अंतिम तिथि मंत्रालय द्वारा 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है

डीसी ने कहा कि महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों/संस्थानों (लेवल-1) को फ्रैश व नवीनीकरण (रिन्यूअल) के ऑनलाइन छात्रवृति हेतु प्राप्त आवेदनों को 15 नवम्बर 2025 तक सत्यापन किया जाना है तथा राज्य नोडल अधिकारी (लेवल-2) द्वारा 30 नवम्बर 2025 तक सत्यापन किया जाना है। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि छात्रवृति के लिए पात्र छात्र/छात्राएं प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ नवीनीकरण (रिन्यूअल) हेतु नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर 31 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें। सभी महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों/संस्थानों को भी निर्देश दिए जाते हैं कि वे अपने स्तर पर छात्र/छात्राओं को आवेदन करने के लिए सूचित करते हुए ऐसे आवेदनों का शीघ्र-अतिशीघ्र ऑनलाइन सत्यापन करें ताकि समय पर छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा सके।

श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत को समर्पित यात्रा लाखन माजरा गुरुद्वारा मंजी साहिब में पहुंची

■ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ यात्रा का लाखन माजरा में किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाखन माजरा

सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, भाई दयाला, भाई सती दास और भाई मति दास की शहादत के 350 वर्ष पूर्ण होने पर निकाली जा रही ऐतिहासिक नगर कीर्तन यात्रा रविवार को गुरुद्वारा मंजी साहिब लाखन माजरा (रोहतक) पहुंची।

यात्रा के लाखन माजरा आगमन पर हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक, जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर ढाका, हरियाणा शुगरफेड के पूर्व चेयरमैन सरदार हरपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष नवीन ढुल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने नगर कीर्तन यात्रा का स्वागत किया और उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब को श्रद्धापूर्वक नमन कर मत्था टेका। इस अवसर पर सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर और सिरोपा देकर सम्मान किया गया।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 350 वर्ष पूर्व दिल्ली के चांदनी चौक में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब और उनके साथियों को इस्लाम स्वीकार न करने के कारण मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर शहीद कर दिया गया था। उन्हीं की स्मृति में यह यात्रा आनंदपुर साहिब से आरंभ होकर दिल्ली के चांदनी चौक तक निकाली जा रही है। मोहन लाल बड़ौली ने इसे हिंदू-सिख एकता की मिसाल करार दिया। इस मौके पर किसान नेता सतवीर राठी, जसवीर राठी, अनिल राठी व अन्य मौजूद रहे।

सुधार पूर्व में केवल 50 प्रमाण पत्र ही वितरित किए गए

संपत्ति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया होगी तेज, कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ आबादी देह और लाल डोरा क्षेत्र की संपत्तियों के लिए 1700 से अधिक प्रमाण पत्र जारी : आयुक्त डॉ. आनंद

नगर निगम द्वारा आबादी देह और लाल डोरा क्षेत्र में स्थित संपत्तियों के अधिभोगियों को संपत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि पूर्व में संपत्ति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया धीमी थी और केवल 50 प्रमाण पत्र ही वितरित किए गए थे।

इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई गई और प्रक्रिया को गति दी गई। वर्तमान में नगर निगम द्वारा 1700 से अधिक संपत्ति प्रमाण पत्र संबंधित अधिभोगियों को प्रदान किए जा चुके हैं। यह पहल उन लोगों के लिए राहत लेकर आई है जो वर्षों से लाल डोरा और आबादी देह क्षेत्रों में अपनी संपत्ति पर कब्जा तो रखते हैं, लेकिन स्वामित्व से जुड़ा कोई औपचारिक दस्तावेज नहीं था। संपत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए दावेदारों को कुछ दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे। इनमें शामिल शपथ पत्र, जिसमें यह स्पष्ट हो कि दावेदार लाल डोरा आबादी देह में स्वामी या कब्जाधारी है। पिछले 10 वर्षों के दो दस्तावेज, जैसे बिजली का बिल, पानी का बिल, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र आदि, जिनमें संबंधित पते का उल्लेख हो। संपत्ति कर रसीदें और निर्मित संरचना का प्रमाण, जो पिछले 10 वर्षों के अधिकार को दर्शाते हों। इसके अतिरिक्त, यदि उपलब्ध हों तो बिक्री विलेख, हस्तांतरण विलेख, त्याग पत्र, राजस्व रिकार्ड पंजीकृत अदालत के आदेश या रजिस्ट्री दस्तावेज भी प्रस्तुत किए जा सकते हैं।नगर आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी संपत्तियों का विवरण नगर निगम के रिकॉर्ड से मिलान करें। यदि विवरण सही पाया जाता है, तो संबंधित दस्तावेजों के साथ स्वत प्रमाणित सूचना प्रस्तुत करें ।

सुनारिया क्षेत्र के सैकड़ों घर रजिस्ट्री से वंचित: संगीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सुनारिया क्षेत्र के तीनों गाँवों – सुनारिया कलां, सुनारिया खुर्द और रतनपुरी कॉलोनी के सैकड़ों घर लाल डोरा सीमा से बाहर होने के कारण वर्षों से परेशान हैं। इन क्षेत्रों में करीब 30% से अधिक मकानों की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही, जिससे ग्रामीण बैंक लोन, सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों से वंचित हैं। इस गंभीर मुद्दे को लेकर संगीता सुनारिया ने सीएम विंडो पोर्टल पर औपचारिक शिकायत दर्ज की है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल गाँव का नया सर्वे करवा कर लाल डोरा का विस्तार किया जाए, जिससे हर नागरिक को उसके घर का कानूनी अधिकार और सुरक्षा मिल सके।ग्रामीणों का कहना है कि जब तक लाल डोरा का विस्तार नहीं होगा, तब तक ना विकास होगा, ना स्थायित्व। अब देखना ये है कि प्रशासन इस शिकायत पर कितनी तेजी से कार्रवाई करता है।

मकान है लेकिन कागज़ नहीं

मकान है लेकिन कागज़ नहीं, ऐसे में न योजना मिलती है न सम्मान। ये अन्याय अब और नहीं चलेगा। -संगीता सुनारिया

दो पदक विजेता गौरव का खरकड़ा में स्वागत

महम। अमेरिका में आयोजित किए गए विश्व पुलिस खेलों में खरकड़ा गांव के खिलाड़ी गौरव ने दो पदक जीते हैं। गौरव ने इन खेलों में एक स्वर्ण पदक और एक ब्रोंज मेडल जीता है। उन्होंने यह उपलब्धि पुलिस एंड फायर के मास्टर ड्रील में हासिल की है। पैतृक गांव खरकड़ा में पहुंचने पर विजेता खिलाड़ी गौरव का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने उनको नोटों व फूलों की मालाएं पहनाई। स्थानीय नेता शमशेर खरकड़ा ने विजेता खिलाड़ी को बधाई दी और स्वागत किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी गौरव ने न केवल अपने माता पिता, गुरुजनों, गांव और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

185, Huda Complex, Near ZAD Global School, Rohtak
M. 7404288876, 7419488930
Hartron SKILL CENTRE
NCVET Recognised
हारट्रोन से जुड़ने का सही समय यही है
Hartron Courses Are Aligned With NSQF
हारट्रोन से कंप्यूटर कोर्स करने के बाद
SETC (Part-1) से छुट प्राप्त है
Website : www.hartron-rohtak.com

खबर संक्षेप

सांसद हुड्डा खेड़ी महम शिवानंद आश्रम में आज

महम। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा सोमवार 14 जुलाई को सुबह 11 बजे खेडी महम गांव स्थित शिवानंद धर्मार्थ औषधालय में पहुंचेंगे। यहां पर बह्मलीन स्वामी निरंजन गिरी जी महाराज की याद में बनाए जा रहे हॉल की आधारशिला रखेंगे। वे सांसद निधि से बनकर तैयार हुई गांव की सामान्य चौपाल के उद्घाटन समारोह में भी पहुंचेंगे। कार्यक्रमों की अध्यक्षता पूर्व मंत्री आनंद सिंह दांगी करेंगे। उनके साथ विधायक बलराम दांगी भी मौजूद रहेंगे।

अलग-अलग स्थान से दो बाइक चोरी

सांपला। इलाके में चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। वार्ड नंबर 13 निवासी हितेंद्र और इस्माइला निवासी हिमांशु की घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। वह काम करके घर के बाहर बाइक खड़ी करके घर सो गए। सुबह देखा तो बाइक गायब मिली। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

25-26 जुलाई 2023 की रात लाखनमाजरा एरिया में 185 एमएम भारी बरसात ने मचा दी थी जल प्रलय

रोहतक जिले में बीते 3 साल में 5 बार ही हुई भारी बारिश, मध्यम दर्जा उधेड़ देता है प्रशासन की बखिया

- 17-18 जुलाई 2023 को रात्रि में ही घिलौड़ व इसके आसपास गांवों में आसमान से पानी के रूप में गिरी थी आफत, पर सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं

अमरजीत एस गिल ⏭रोहतक

बरसात को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग का पैमाना है कि 0.1 -2.4 मिलीमीटर तक बहुत हल्की, 2.5 -15.5 तक हल्की, 15.6 -64.5 तक मध्यम, 64.5 -115.5 तक भारी, 115.6 -204.4 बहुत भारी, 204.5 एमएम से अति भारी होती है। इस स्टैंटर्ड के मुताबिक साल 2022, 2023 और 2024 में केवल पांच बार ही रोहतक जिले में भारी बरसात हुई है। वर्ष 2022 में 7 जुलाई को 144 मिलीमीटर और 24 सितंबर को भी रोहतक शहर में 144 एमएम पानी गिरा। 5 जुलाई 2023 को रोहतक शहर में 70 मिलीमीटर होने का रिकॉर्ड राजस्व विभाग में दर्ज है। 25-26 जुलाई 2023 की रात लाखनमाजरा एरिया में 185 बरसात हुई थी। इससे पहले 17-18 जुलाई को घिलौड़ गांव व इसके आसपास के एरिया गांवों में बहुत ज्यादा बारिश हुई थी। लेकिन ये सरकारी दस्तावेजों में दर्ज नहीं है। क्योंकि उस क्षेत्र में रेनगेज नहीं था। लेकिन ये पक्के तौर है कि पूरी रात लगातार हुई बरसात ने फसलों में प्रलय मचा दी थी। साल 2024 में कलानौर खंड में 20 अगस्त की रात 81 एमएम पानी बरसा था।

रोहतक। करौंथा गांव में बारिश के बाद खेत में धान लगाते प्रवासी मजदूर। फोटो : हरिभूमि

इस मौसम में भी नहीं हुई

मानूसन की बरसात होते हुए अब दो सप्ताह बीत चुके हैं। लेकिन अभी तक एक दिन भी ऐसा नहीं गुजरा 64.5 एमएम ज्यादा बारिश हुई हो। चौबीस घंटे में दो, तीन बार में 11 जुलाई को महम में 64 और कलानौर में 89, सांपला खंड में 10 को 56, 9 को कलानौर में 48, 7 जुलाई को सांपला में 51 और महम में 49, 5 जुलाई को रोहतक 58, 2 जुलाई को महम 48,1 को महम में 59 एमएम हुई।

मध्यम बारिश को लेकर भी नहीं हैं इंतजाम

जिले का जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिक विभाग और नगर निगम की मध्यम दर्जे की बरसात होते ही पोल पट्टी उधड़ जाती है। सीवरों की सफाई ठीक से करवाई नहीं जाती है। ऐसे में अगर 50 मिलीमीटर भी बारिश हो जाती है तो कई-कई दिन तक आवसीय क्षेत्रों में पानी भरा रहना आम बात है। बारिश में सड़कों पर पानी जमा हो जाता है, जिससे यातायात बाधित होता है और लोगों को परेशानी होती है। नगर निगम और जन स्वास्थ्य विभाग के दावों के बावजूद, बारिश के पानी की निकासी ठीक से नहीं होती। इस जलभराव के कारण शहर में यातायात भी बाधित होना आम बात है और अधिकारियों का कदीमी रटा-रटाया जवाब होता है कि प्रयास कर रहे हैं।

3 साल में 49 एमएम से ज्यादा बरसात वाले दिन

साल 2022 की 11 जुलाई को लाखनमाजरा खंड में 50 एमएम, 22 जुलाई को कलानौर में 64,30 जुलाई को कलानौर में ही 55, 23 सितंबर को कलानौर में 59, 24 सितंबर को कलानौर में 53.5, 24 सितंबर को ही लाखनमाजरा में 63 मिलीमीटर बरसात हुई थी। वर्ष 2023 में 5 जुलाई को रोहतक में 70 एमएम, 11 जुलाई को महम में 56, लाखनमाजरा में 25-26 जुलाई की रात को 185 एमएम, इसी प्रकार 2024 में 8 अगस्त को रोहतक खंड/ शहर में 50 और सांपला ब्लॉक में 53 एमएम बारिश हुई।

एक पेड़ गो माता के नाम अभियान के तहत जगपाल मग्गों समाज सेवा एवं गो सेवा समिति आंवल में पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर जगपाल मग्गों समाज सेवा एवं गऊ सेवा समिति आंवल परिसर में पौधरोपण कर एक अनुकरणीय पहल की गई। इस अभियान को स्थानीय स्तर पर एक पेड़ गौ माता के नाम के रूप में विशेष रूप से गोसेवा से जोड़ा गया तथा कई छायादार पौधों का रोपण किया। जिससे गोशाला में रहने वाली गाएं भविष्य में शीतल छाया में विश्राम कर सकें। इस कार्यक्रम की मुख्य सूत्रधार अर्चना कोचर एवं महेंद्र मग्गों ने कहा- गो माता केवल धार्मिक नहीं, बल्कि जैविक और पर्यावरणीय संतुलन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह पर्यावरण संरक्षण एवं गो सेवा दोनों की दिशा में एक सार्थक कदम है। उपस्थित गणमान्य जनों में सुभाष कोचर, भृगु कोचर, जगदीश जांगड़ा, रमेश खानीजों, महीपाल, सुखविंदर, रमेश एवं दीपक सहित अनेक अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे। समिति के सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे पौधों की देखभाल करेंगे और भविष्य में इस अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

पीएनबी ने किया कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा पैन इंडिया में कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन रोहतक मंडल के दो जिलों के 10 गावों में किया गया। गांव बैंसी में कार्यक्रम मंडल प्रमुख आरजू प्रवीन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसकी शरुआत करते हुए उन्होंने मुख्य अतिथि उप महाप्रबंधक प्रधान कार्यालय के राजागोपाल एवं एसडीओ (कृषि) हरीश दहिया का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

उप मंडल प्रमुख रोहतक अरविन्द कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य कृषि ऋण के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी उपलब्ध करवाना, इसकी स्वीकृति में लगने वाले समय को कम कर मौके पर ही स्वीकृति देना एवं स्वयम सहायता समूह को इस क्षेत्र में बढ़ावा देते हुए कृषि ऋण का विकास करना है। कार्यक्रम में कृषकों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया एवं बैंक कर्मियों द्वारा आने वाले ग्राहकों को कृषि ऋण संबंधी बैंक द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं बारे जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

इच्छुक ग्राहकों द्वारा जरुरी कागजात उपलब्ध करवाए जाने के पश्चात मौके पर ही स्वीकृति प्रदान करने की भी व्यवस्था की गई। अग्रणी जिला प्रबंधक महावीर प्रसाद ने बताया कार्यक्रम में भाग लेने वाले कृषकों द्वारा रु 50 करोड़ की ऋण राशि हेतु आवेदन इकठ्ठे किए गए एवं इनमें से जिन आवेदकों के कागजात पूरे पाए गए, उन्हें मौके पर ही 8 करोड़ की कृषि ऋण राशि हेतु मुख्य अतिथि द्वारा स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए। बैंक के अंचल कार्यालय से मुख्य प्रबंधक विनीत गिल ने मुख्य अतिथि को इस आयोजन में भाग लेने के लिए धन्यवाद करते हुए बताया कि उनकी उपस्थिति से बैंक स्टाफ में उत्साह को बढ़ावा मिला है। इस मौके पर बैंक के जिले की विभिन्न शाखाओं के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

डॉ. अशोक खुराना की स्मृति में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रोहतक। स्वर्गीय डॉ. अशोक खुराना की स्मृति में शुगर मिल कॉलोनी में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन वार्ड 20 के पार्षद प्रवीण कौशिक द्वारा किया गया। शिविर में प्रमुख नेत्र विशेषज्ञ डॉ. एसपीएस भाटिया एवं उनकी टीम ने 252 लोगों की आंखों की जाँच की, जिनमें से 32 में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अजय गर्ग ने 68 लोगों की जाँच की, जिनमें 9 लोगों के कान, 7 के नाक और 5 के गले में तकलीफ पाई गई। स्त्री रोग कैंसर विशेषज्ञ डॉ. शीतल गोयल एवं डॉ. रिम्पी ने 22 महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें जरूरी परामर्श दिया। जनरल फिजीशियन डॉ. दिनेश ने 32 लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श दिया, वहीं दंत चिकित्सक डॉ. रमनीक भाटिया ने 32 मरीजों के दांतों की जांच की और 12 लोगों के दांतों का एक्स-रे निशुल्क किया। शिविर में बीपी, शुगर की जांच, दवा एवं चश्में भी प्रदान किए गए। इस मौके पर समाजसेवी बिजेन्द्र कौशिक, नरेश जैन, जगदीश एवं मनीषा मौजूद रहे।

फसल अवशेष प्रबंधन पर अनुदान के लिए 15 जुलाई तक करें आवेदन आमंत्रित

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2025 -26 के लिए पराली सप्लाई चेन (फसल अवशेष प्रबंधन) पर अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं।धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि एक करोड़ अथवा 1.5 करोड़ रुपये तक कीमत का पराली सप्लाई चेन (फसल अवशेष प्रबंधन) से संबंधित प्रोजेक्ट लगाने पर हरियाणा के कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। इसके लिए 15 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। यह आवेदन कृषि पोर्टल **agriharyana.gov.in** पर करना होगा। कृषि यंत्र निर्माता स्कीम में मशीनों की आपूर्ति हेतु पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। उपायुक्त ने बताया कि अनुदान के लिए दो विकल्प दिए गए हैं, इनमें प्रथम विकल्प के तहत परियोजना लागत का 65 प्रतिशत, 25 प्रतिशत उद्योग एवं 10 प्रतिशत एग्रीगेटर का अंशदान होगा। दूसरे विकल्प के तहत 65 प्रतिशत अनुदान एवं 35 प्रतिशत एग्रीगेटर का अंशदान होगा। कृषि एवं किसान कल्याण अधिकारी ने बताया कि आवेदन के बाद लाभार्थियों का चयन उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारिणी समिति तथा राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति द्वारा किया जाएगा।

कुणाल शर्मा का किया सम्मान

सांपला। भगवान परशुराम समाज सेवा दल की तरफ से रविवार को सिविल सर्विस परीक्षा पास करने वाले कुणाल शर्मा को सम्मानित किया गया। कुणाल ने कहा कि सफलता पानी है तो युवाओं को एक लक्ष्य रख मेहनत करनी होगी। इस समारोह के मुख्य अतिथि फरीदाबाद से नरेंद्र वत्स, सोनीपत बीजेपी अध्यक्ष अशोक शर्मा, जीतेन्द्र शर्मा, अतर सिंह कौशिक, हेमंत, प्रदीप, कृष्णा, रामानंद, सुरेंद्र, नरेंद्र, नरेश, प्रदीप, पवन, सुभाष, सुनील, संदीप, प्रदीप आदि शामिल हुए।

सम्पत्तिकर आईडी के लंबित आवेदनों का जल्द निपटान सुनिश्चित करें

रोहतक। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने निगम कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान सम्पत्तिकर से संबंधित लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटान के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पूर्व में लगभग 9000 से अधिक आवेदन रिवर्ट बैक की स्थिति में थे, जिनके निस्तारण हेतु अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले ही निर्देश दिए जा चुके थे। उन्होंने कहा कि अब इन आवेदनों की संख्या घटकर लगभग 3000 रह गई है, जिनका शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। संपत्तिकर प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आमजन द्वारा पोर्टल पर किए गए आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित या रिवर्ट बैक न किए जाएं, जब तक कोई ठोस कारण न हो। वह स्वयं भी पोर्टल पर प्राप्त बकाया भुगतान व अदेय प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदनों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कर्मचारियों को इन आवेदनों के निस्तारण में तत्परता बरतने के निर्देश दिए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही डॉ. शर्मा ने नागरिकों को यह भी याद दिलाया कि हरियाणा सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सम्पत्तिकर पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, जिसका लाभ 31 जुलाई 2025 तक उठाया जा सकता है। उन्होंने निगम क्षेत्र के सभी करदाताओं से अपील की कि वे इस छूट का लाभ उठाते हुए समय पर सम्पत्तिकर का भुगतान करें और शहर के विकास में सक्रिय भागीदार बनें।

बहुअकबरपुर गांव में रक्तदान शिविर आयोजित, 45 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

गांव बहुअकबरपुर में रविवार को रक्त गिरी फाउंडेशन द्वारा अपने सक्रिय वालंटियर मयंक बल्हारा के 16वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 12वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानवीय सेवा की मिसाल पेश की।

फाउंडेशन के वॉलंटियरों के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 45 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया। यह आयोजन न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक रहा, बल्कि जनजागरूकता और सेवा भावना का सशक्त उदाहरण भी बना। गांव के वरिष्ठ रक्तदाता रविंद्र नाटक ने अपना 58वां रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा मैं हर तीन माह में नियमित रूप से रक्तदान करता हूं। इससे जो आत्मिक संतोष और सुख मिलता है, वह अवर्णनीय है।

वीरेंद्र बल्हारा ने जानकारी दी कि गांव में प्रत्येक 3 से 4 महीने में रक्तदान शिविर लगाए जाते हैं और कई समर्पित रक्तवीर समय से पहले ही शिविर की जानकारी लेने के लिए संपर्क करते हैं। साहिल बल्हारा ने बताया कि रक्त गिरी फाउंडेशन द्वारा अब प्रत्येक विद्यालय में थैलेसीमिया और रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आगामी 19 जुलाई को गांव भाऊ अकबरपुर स्थित शिक्षा भारती विद्यालय में सुबह 9 से 11 बजे तक थैलेसीमिया व रक्तदान विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा, जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, एवं शिक्षकों को जागरूक किया जाएगा कि थैलेसीमिया से बचाव कैसे किया जाए और रक्तदान क्यों आवश्यक है।

अमेरिका से गोल्ड जीत कर लौटी इस्माईला की प्रीति को लोगों ने किया सम्मानित

सांपला। अमेरिका में हुई वर्ड पुलिस गेम के खेलों में इस्माइला की बेटी प्रीति पुत्री लखमी ने गोल्ड मेडल जीत कर देश और गांव का नाम रोशन किया। उनके गांव लौटने पर रविवार को पंचायत द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। प्रधान विकास खत्री ,मुकेश कुमार ने कहा कि जो भी गांव का व्यक्ति महिला पुरुष युवा खेल, शिक्षा व अन्य कार्यों में गांव का नाम रोशन करेगा उन्हें पंचायत की तरफ से सम्मानित किया जाएगा। प्रीति ने बताया कि यह प्रतियोगिता अमरीका 26 जून से 6 जुलाई तक चली थी। उन्होंने बाकसिग में भाग लिया था। जिसमें उन्हें गोल्ड मेडल जीता। प्रीति के सम्मान समारोह में प्रधान विकास खत्री, मुकेश कुमार, ब्लाक समिति चेयरमैन टीनू खत्री, राजा खत्री आदि ने माला पहनाकर स्वागत किया।

युवक पर जानलेवा हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की टीम ने गिझी निवासी युवक पर जानलेवा हमले की वारदात में शामिल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर जांच की जा रही है। प्रभारी थाना सांपला निरीक्षक बिजेन्दर सिंह ने बताया कि सांपला निवासी आशीष की शिकायत के आधार पर जांच में सामने आया कि आशीष व अनुराग दोस्त है। 10 जुलाई को रात करीब 9:45 बजे अनुराग व आशीष मोटरसाइकिल पर सवार होकर पुल के नीचे पिकअप डाला लिए अंशु के पास गए। अनुराग व अंशु आपस मे बात करने लगे। इस दौरान अंशु अनुराग को गाली गलौच करने लगा। अनुराग वंहा से चल पडा। अंशु ने पिकउप डाला एक दम से स्टार्ट किया और जान से मारने की नीयत से अनुराग को टक्कर मारी। अंशु पिकअप डाला से अनुराग को घसीटते हुए सांपला बस स्टैंड की तरफ ले गया और मौके से फरार हो गया। अनुराग मौके पर ही बेहोश हो गया। अनुराग को इलाज के लिए अस्पताल जे जाया गया है। मामले की जांच सहायक रत्न को सौंपी गई। जांच में आरोपी अंशु उर्फ लालू निवासी आसंडा जिला झज्जर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से वारदात मे प्रयुक्त गाड़ी को बरामद किया गया है।

आर्य समाज बोहर की संगोष्ठी में गूंजे वैदिक आदर्शों के स्वर, मनुस्मृति कर्तव्य, मर्यादा और मुक्ति का मार्गदर्शक

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

- कर्तव्य और आचारण की शिक्षा देती है मनुस्मृति

मनुस्मृति केवल एक ग्रंथ नहीं, यह मानव समाज का नैतिक, सामाजिक व आध्यात्मिक संविधान है, यह प्रेरणादायक विचार रविवार को आर्य समाज बोहर द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता आचार्य अभय कुंडू (गुरुकुल सिंहपुरा) ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मनुस्मृति न केवल मानव धर्म का शास्त्र है, बल्कि इसमें आदर्श आचरण, नीति, मर्यादा और श्रेष्ठ समाज व्यवस्था के लिए विधिवत दिशा-निर्देश भी वर्णित हैं। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों में मनुस्मृति का व्यापक उल्लेख मिलता है।

कहा कि श्रीराम द्वारा बाली-वध के पश्चात मनु के प्रमाणों का उल्लेख इस ग्रंथ की प्रतिष्ठा को प्रमाणित करता है। आचार्य अभय कुंडू ने दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से मनुस्मृति को हटाए जाने को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। संगोष्ठी का शुभारंभ यज्ञ के साथ हुआ, जिसका ब्रह्मत्व अजय आर्य ने निभाया। भजनोपदेशक राम निवास आर्य (पानीपत) ने मधुर भजनों के माध्यम से मनुस्मृति को भारत के प्रथम संविधान के रूप में प्रस्तुत किया। मंच संचालन करते हुए विद्वान कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यदि मनुस्मृति का दंडविधान प्रभावी रूप से लागू हो, तो देश से भ्रष्टाचार व अपराध स्वत समाप्त हो सकते हैं। यह ग्रंथ समस्त मानवता के कल्याण का मार्ग है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आर्य समाज बोहर शीघ्र ही एक विशाल राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन करेगा, जिसमें विभिन्न धर्मों, मतों एवं पंथों के विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में आर्य समाज बोहर के प्रधान धनीराम आर्य, नांदल खाप के प्रधान ओमप्रकाश नांदल, जगदीप पटवारी, संजीव कंसाला, मनजीत आर्य, सुखबीर सिंह दहिया, सुभाष सांगवान, राम ऋषि बुधवार, मोहन पहलवान, अजय आर्य, राकेश आर्य (खेड़ी नरदेव टिटौली), रविंद्र शास्त्री, प्रवेश शास्त्री, यशदेव शास्त्री, बलजीत आर्य (अटायल), चंचल नांदल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।